अखिल भारतीय मिथिला संघ (पंजी.)

विश्व मैथिल सम्मेलन

दिनांक : 28-29 मार्च, 2020

स्थान : विज्ञान भवन, नयी दिल्ली

संपर्क

अखिल भारतीय मिथिला संघ

20, कोपरनिकस लेन, मंडी हाउस, नई दिल्ली-110001, मो. 9650461788, 971753900

http://www.mithilasangh.com
https://www.facebook.com/sanghmithila/
https://twitter.com/SanghMithila
Instagram.com/akhilbhartiyamithilasangh
https://www.youtube.com/channel/UCtA81gehTaYofJgsOQTnn5w

सुसंस्कृत मैथिल - समृद्ध मिथिला

महोदय /महोदया,

अखिल भारतीय मिथिला संघ भारत की अग्रणी मैथिली साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्था है। यह संस्था विगत 52 वर्षों से दिल्ली व भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत है। संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में अनेक गणमान्य व्यक्ति जैसे कि महामहिम राष्ट्रपति, अनेक उपराष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री, अनेक केन्द्रीय मंत्री, सांसद , विधायक, उच्च पद पर स्थापित प्रशासनिक पदाधिकारी एवं मिथिला के मूर्धन्य विद्वान उपस्थित होकर संस्था को गौरवान्वित करते रहते हैं।

प्राकृतिक आपदाओं में भी अखिल भारतीय मिथिला संघ पीड़ितों के साथ सदैव खड़ा रहता है। इस वर्ष भी बिहार के विभिन्न जिलों में आई भीषण बाढ़ के समय पर्याप्त राहत सामग्री का संस्था के द्वारा बाढ़ पीड़ितों के बीच वितरण किया गया, जिसे विभिन्न स्तर पर सराहा गया है।

मैथिली साहित्य के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए भी अखिल भारतीय मिथिला संघ प्रतिबद्ध है। विगत दो वर्षों से संघ द्वारा मैथिली शोध पत्रिका 'तीरभुक्ति' का प्रकाशन किया जा रहा है। साथ ही मिथिला/ मैथिली से संबंधित विविध विषयों पर संस्था के द्वारा पुस्तकें भी प्रकाशित की जा रही हैं।

अखिल भारतीय मिथिला संघ के मंच पर गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति हमेशा से रही है। वर्ष 2017 में संघ के स्वर्ण जयंती के अवसर पर तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में हजारों मैथिलों के समागम को तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, गृहमंत्री राजनाथ सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद जी सरस्वती महाराज आदि का समवेत सान्निध्य मिला था। वहीं 2018 में राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश व बिहार विधान परिषद के उपसभापति हारून रशीद तथा 2019 में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा समेत अनेक जनप्रतिनिधियों व विद्वानों की गरिमामय उपस्थिति रही। इन आयोजनों में संस्था के संरक्षक व राज्यसभा सांसद श्री प्रभात झा जी का दिशा निर्देश अनवरत मिलता रहा है।

इस वर्ष अखिल भारतीय मिथिला संघ ने एक ऐतिहासिक कदम उठाकर दुनिया भर में फैले हुए मैथिलों को एक छत के नीचे लाने का प्रयास शुरू किया है। इस क्रम में देश के शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में **विश्व मैथिल सम्मेलन 2020** का आयोजन 28-29 मार्च, 2020 को **विज्ञान भवन (नई दिल्ली)** में आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के साहित्यिक, सांस्कृतिक, लोक नृत्य, एवं लोक संगीत आदि प्रस्तुत किए जाएंगे। इस तरह सभागार में आए दुनिया भर के दर्शकों को मिथिला की सांस्कृतिक धरोहर से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर एक भव्य स्मारिका का भी प्रकाशन होगा, जो समस्त मिथिलावासियों के बीच अपनी साहित्यिक, सुरुचिपूर्ण तथा संग्रहणीय रचनाओं के कारण अति प्रसंशनीय होता है। इस स्मारिका ने मिथिला समाज में अपनी व्यापक पहचान अर्जित की है। यह स्मारिका इस बार विश्व के अनेक देशों में पहुंचेगी।

आपसे हार्दिक निवेदन है कि अपने मंत्रालय, विभाग, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, उपयोगी सेवा एवं वस्तु के प्रचार एवं प्रसार के लिए कार्यक्रम को प्रायोजित करें एवं स्मारिका में विज्ञापन देकर हमें कृतार्थ करें। हम सभी मिथिलावासी आपके सहयोग के लिए सदैव आभारी रहेंगे।

भवदीय

विजयचन्द्र झा
अध्यक्ष, अखिल भारतीय मिथिला संघ
मो. : 9650461788

विश्व मैथिल सम्मेलन 2020

उद्देश्य

- मिथिला के सांस्कृतिक, आर्थिक आ सामाजिक सहित सर्वांगीण विकास की दिशा में तमाम प्रवासी मैथिलों को एक मंच पर लाना और निम्नलिखित बिंदुओं पर विमर्श करना
- मिथिला की समस्याओं से निजात पाने के लिए कार्ययोजना
- मिथिला में हर साल आने वाले बाढ़ और अकाल से निपटने का मार्ग
- मिथिला के विकास के लिए विभिन्न उद्योगपतियों से निवेश का आग्रह
- मिथिला से पलायन रोकने के उपाय
- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन क्षेत्र के तौर पर बिहार के विभिन्न स्थानों की पहचान और विकास
- राजधानी दिल्ली में प्रवासी मैथिल भवन का निर्माण

सम्भावित उपलब्धि

- नीति निर्माताओं और प्रवासी मैथिलों के बीच नियमित संवाद का मार्ग बनेगा
- मिथिला के लघु व कुटीर उद्योग (मछली पालन, मखाना उत्पादन, मिथिला पेंटिंग, भागलपुरी चादर आदि) में वैश्विक निवेश के मार्ग खुलेंगे
- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्यटन को बढ़ावा
- सार रूप से मिथिला के आर्थिक विकास में सहायता

सांस्कृतिक आकर्षण

- पुस्तक प्रदर्शनी
- लिखिया
- अरिपन
- खान-पान
- अन्य कला प्रदर्शनी
- मैथिली फ़िल्म
- मैथिली नाटक
- गीत नाद

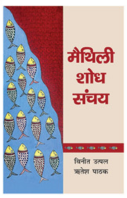

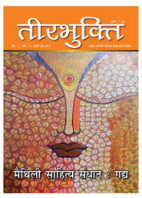

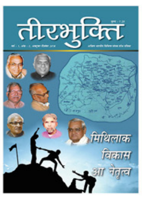

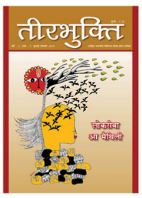

पत्राचार कार्यालय : 20, कापरनिकस लेन, मंडी हाउस, नई दिल्ली-110001
फोन : 9650461788, 9717539000
ईमेल : akhilbhartiyamithilasangh@gmail.com